

नेहरू ग्राम भारती (मानित विश्वविद्यालय) प्रयागराज

परास्नातक संस्कृत (सत्र 2019–20)
एम०ए० (संस्कृत)



Choice Based Credit System (C.B.C.S.)

पर आधारित पाठ्यक्रम

संस्कृत विषय का सम्पूर्ण पाठ्यक्रम सत्र 2019 से C.B.C.S. प्रक्रिया के तहत निर्धारित किया गया। सम्पूर्ण पाठ्यक्रम 80 क्रेडिट में समेकित है।

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

पुरोवाक्

पाठ्यचर्या का नवीकरण और उसे अद्यतन बनाए रखना किसी भी स्पंदनशील विश्वविद्यालय तंत्र का अत्यावश्यक अंग है। पाठ्यचर्या को गत्यात्मक होना चाहिए जिस हेतु, अद्यतन बनाए रखने के प्रमुख उद्देश्य से, संबंधित विश्वविद्यालय द्वारा उसमें समय-समय पर आवश्यक परिवर्तन एवं परिवर्धन करते रहना चाहिए और साथ ही उसमें ऐसी सामग्री अन्तर्धारित होनी चाहिए जिसके आधार पर संबंधित विषय में हो रहे ज्ञान को तीव्र विकास के साथ कदम मिलाकर चला जा सके। छात्र-समुदाय को अद्यतन शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए पाठ्यचर्या में संशोधन के कार्य को एक अनवरत प्रक्रिया के रूप में अपनाया जाना चाहिए। पूरे देश में यह प्रवृत्ति बन रही है कि अब वार्षिक पद्धति के स्थान पर सेमेस्टर पद्धति लागू होनी चाहिए और अंकों के स्थान पर क्रेडिट देने की पद्धति अपनाई जानी चाहिए। माड्यूलर रूपरेखा में भी लोगों की रुचि स्पष्ट रूप से बढ़ रही है।

इन्हीं कारणों से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार सी०बी०सी०एस० का पाठ्यक्रम तैयार करने के लिए संस्कृत विभाग नेहरु ग्राम भारती मानित विश्वविद्यालय प्रयागराज की अध्ययन परिषद् में गंभीर विचार विमर्श के पश्चात् सी०वी०सी०एस० पाठ्यक्रम तैयार किया गया जिसकी रूपरेखा अग्रलिखित रूप में संकाय परिषद् को प्रेषित किया गया। दो वर्षों से पूर्ण होने वाला यह पाठ्यक्रम चार सेमेस्टर में विभाजित होगा। प्रत्येक सेमेस्टर में छह प्रश्न पत्र होंगे। द्वितीय और चतुर्थ सेमेस्टर में तृतीय पत्र मौखिकी परीक्षा होगी जो या 4 क्रेडिट की होगी।

यह पाठ्यक्रम कोर कोर्स, इलेक्टिव कोर्स, इन्टरडिस्प्लिनरी कोर्स तथा इन्टाडिस्प्लिनरी (अन्तर्विषयी) पाठ्यक्रम के भेद से चार भागों में विभक्त है।

(अ) कोर कोर्स

कोर कोर्स (केन्द्रिक पाठ्यक्रम) का उद्देश्य विषय के मौलिक तथ्यों का परिचय, विश्लेषण, परीक्षण एवं सत्यापन करना है। इसके माध्यम से विद्यार्थी विषय की गहनता को समझकर नवीन और समसामयिक विचार मीमांसा की ओर अग्रसर होगा।

कोर कोर्स का अध्ययन तीन प्रश्नपत्रों के माध्यम से होगा। यह तीन प्रश्न पत्र प्रत्येक सेमेस्टर में होंगे। प्रत्येक प्रश्न पत्र 4 क्रेडिट का होगा। इस पाठ्यक्रम (कोर कोर्स) की क्रेडिट 03 प्रश्न पत्र x 4=12 क्रेडिट। प्रत्येक पत्र में 2.5 क्रेडिट की लिखित परीक्षा तथा 1.5 क्रेडिट की आन्तरिक परीक्षा होगी।

(ब) इलेक्टिव कार्स (ऐच्छिक पाठ्यक्रम)

इस कोर्स का उद्देश्य मुख्य विषय के विह^म क्षेत्र को मुख्य विषय के साथ संयुक्त करना है। विद्यार्थी विशिष्ट विषयों का चयन करके मुख्य विषय का सम्यक अध्ययन कर सकेगा। यह कोर्स एक प्रश्न पत्र के माध्यम से 3 x 1=3 क्रेडिट का होगा। इस प्रश्न पत्र में 2 क्रेडिट की लिखित परीक्षा तथा 1 क्रेडिट की आन्तरिक परीक्षा होगी।

(स) इन्टर्डिस्प्लिनरी कोर्स

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थी को अपने मुख्य विषय से सम्बन्धित किसी विशिष्ट विषय का अध्ययन कराना है। इस पाठ्यक्रम में एक प्रश्न पत्र होगा। विद्यार्थी अपने मुख्य विषय में से वैकल्पिक प्रश्न पत्र का चयन करेगा। 1x3=3 क्रेडिट। यह पाठ्यक्रम तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर में लागू होगा। जिसके अन्तर्गत वेद, साहित्य एवं दर्शन के छात्र अपनी-अपनी रूचि के अनुसार विषय का चयन करेंगे।

बैठक क्रमांक 1

दिनांक: 20/05/2019

आज दिनांक: 20/05/2019 को प्रबोध्य 11.00 बजे संस्कृत अध्ययन परिषद् की बैठक प्रो० जटाशङ्कर त्रिपाठी, अधिष्ठाता कलासंकाय की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में अधोलिखित सदस्य उपस्थित थे-

1. प्रो० जटाशङ्कर त्रिपाठी अधिष्ठाता कलासंकाय *Yash*
2. प्रो० राम विश्वेश शास्त्री प्रोफेसर संस्कृत विभाग *Ramesh*
3. डॉ० देव नारायण पाठक विभागाध्यक्ष संस्कृत विभाग *Devnarayan*
4. डॉ० सविता मोश्रा सह-आचार्य संस्कृत *Savitri*
5. डॉ० ममता मिश्रा विभागाध्यक्ष हिन्दी विभाग *Mamta*
6. प्रो० मञ्जुला जायसवाल संस्कृत विभाग इ.वि.वि० *M.J.*

→ प्रस्ताव सं० 1, बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि परामर्श के प्रोटोड्र एवं उत्प्रेरक का सी०बी०सी०एस० के अन्तर्गत पाठ्यक्रम स्वीकार किया जाय। जो अग्रिम पृष्ठों पर चर्चा किया जाएगा।

प्रस्ताव सं० 2 बैठक में सर्वसम्मति से स्नातक कक्षाओं का संशोधित पाठ्यक्रम स्वीकार किया गया। जो अग्रिम पृष्ठों पर चर्चा किया जाएगा।

प्रस्ताव 3- पाठ्यक्रम की नियमावली के स्वरूप का प्रस्ताव। अध्ययन परिषद् से संस्कृत विभाग के पाठ्यक्रम के रेविज्ड एवं विरिहट ~~पुस्तकें~~ प्रश्न-पत्रों के नाम एवं क्रम तथा उनके क्रेडिट वितरण को गैररत ग्राम भारती मानित विश्वविद्यालय के स्वरूप नियमावली - P.G. Ordinance - C.B.C.S. - 2019-20 (भविष्य में प्रादव्य) के अंशक स्वरूप का प्रस्ताव अनुमोदित किया जाता है।

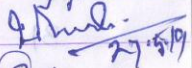
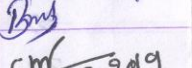
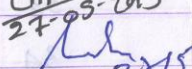
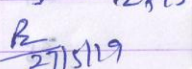
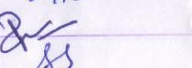

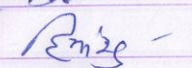
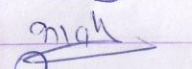
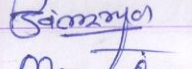

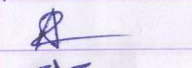


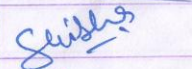

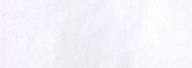



Devnarayan
(डॉ० देव नारायण पाठक)
विभागाध्यक्ष संस्कृत विभाग
डॉ० देव नारायण पाठक
संस्कृत विभाग
नेहरु मा० बा० मा० विश्वविद्यालय
इलाहाबाद

Yash
(प्रो० जटाशङ्कर)
अधिष्ठाता कला संकाय
ने० ग्रा० भा० मा० वि० वि०
Mamta
(प्रो० मञ्जुला जायसवाल)
प्रोफेसर संस्कृत विभाग
इ.वि.वि० इलाहाबाद

Date - 27th May 2019

The Board of faculty of Arts has been convened by the Dean faculty of Arts N.G.B.V (DU) Prayagraj, on 27th May 2019 at 11.00 a.m in the hall of Research Centre.

The agenda of meet was to discuss the courses for P.G. programme in accordance with C.B.C.S system. These courses shall be effective from the session 2019-20. The following members were present:-

Sr. No.	NAME	Department	Signature
1.	Dr. Jeta Shankar	Dean Arts.	
2.	Dr. Birendra Mani Tripathi	Deptt of Ancient history, culture & Archaeology	
3.	Dr. Chhaya Malviya	Deptt of English	
4.	U.S. Rai (S.P.L. in-charge)	Dean Commerce	
5.	Dr. Ramesh Ch. Mishra	Deptt of Political Science	
6.	Dr. Prabuddha Mishra	Deptt of Philosophy.	
7.	Sanjay Sharma.	Deptt of Education	
8.	Dr. Radhe Shyam Sen	Deptt. of Geography	
9.	Dr. Rishi Kumar	RE-39-2019	
10.	Dr. Kailash Tripathi	संस्कृत विभाग	
11.	Dr. DEVI NARAYAN PATHAK	Deptt of Sanskrit	
12.	डॉ. ममता मिश्रा	संस्कृत विभाग	
13.	Dr. Alok Tripathi	LIS-	
14.	Dr. Anind K. Shukla	Deptt of Philosophy	
15.	Dr. Santosh K. Shukla	Yoga & Philosophy	
16.	Dr. SAVYASACHI	Hindi	
17.	Sau. Jay Prasad	Political Sc	
18.	Shikha Khare	Home Science	
19.	Asha Parveen	"	

Resolution.No-1.

The Board considered the proposed courses for P.G.(C.B.C.S) of different departments & after thorough discussion unanimously resolved that these courses shall be implemented from Session 2019-20.

There was no other issue to be discussed, therefore the meeting ended with a vote of thanks to the chair.

[Signature]
27.5.19

POST GRADUATE -PROGRAMME

ORDINANCES AND REGULATION FOR ALL POST GRADUATE -PROGRAMMES

A. ORDINANCE

1. The Degree of Master of Arts/Science/Social Science/Commerce/Law/Teacher's Education

The Nehru Gram Bharati (Deemed to University) may confer the Degree of Master's Programme on Such candidates who, being eligible for admission to the Post Graduate Degree Programme, have received regular instruction in the prescribed course of study, passed successfully relevant examinations and being otherwise suitable by virtue of their character, have fulfilled such other condition as may be laid down from time to time by the appropriate authorities.

2. The Curriculum and Duration Of Studies

- A. (i) The Curriculum of study of the Master Degree shall comprise of courses set out in Annexure B.
(ii) The Departmental Committee shall prescribe the detailed content of various of study, if required before the beginning of each session. The Departmental Committee can make changes in the optional papers/subjects, subjects to the availability of teaching facility/ faculty.
- B. The curriculum of study for the Master Degree shall be spread over four Semesters having 80 credits (each semester of 20 credits).

3. Requirement for Admission

A. Registration:

Registration

(i) Candidates of Master Degree shall first be admitted to the first semester upon the reopening of the University after summer vacation every year.

(ii) Subsequent Registration

A candidate, who fails to clear a regular course of study during any of the second, third and fourth semesters may be registered in the appropriate term of any subsequent year to the semester concerned but within such time as enables him, to complete the study of all semester comprising Master Degree Programme within a maximum period of four years from the date of his/her registration for the first semester.

B. Minimum Qualification For Admission

(i) Admission to the Master Degree Programme of study shall be open to those candidates who have passed the 3 Year Graduate Degree Examination of this University or such examination of any other University or Institution after Graduation under 10+2+3 pattern as recognized by the University. Admission shall be made according to merit subject to the fulfillment of eligibility requirement as determined by the University and availability of seats in the Master courses.

C. Conditions of Admission:

- (i) No application for registration to the First Semester shall be entertained unless it is accompanied by:
- (a) A duly migration of scholastic record of the candidate, commencing from the graduation or equivalent examination.
 - (b) Original migration of a candidate who has been a regular student in any Institution at any time prior to making application for registration in the Faculty.
 - (c) Original migration certificate if the candidate is not enrolled in this University or if enrolled, his enrollment has been cancelled. Provided that if a candidate is unable to produce any of the documents other than the marks-sheet of the graduate examination at the time of seeking admission in the concerned Faculty before admission committee, he shall undertake to submit them within one month or within such further period as the University authorities may prescribed; and the admission, if any of such candidate shall until the submission of the aforesaid documents, be deemed to be provisional.
- (ii) Candidate shall give also a written undertaking to the effect that:

- (a) He/She shall exclusively devote his/her time to the study of courses prescribed for Master Degree and in particular he/she shall not offer any other course leading to a degree of any description whatsoever, not shall he/she undertake any remunerative work, though with the prior permission of the Faculty, he/she may join certificate of or diploma courses in any foreign language.
- (b) He/She shall abide by the provision of NGB (DU) Act, Statutes, Ordinances, Regulations and Rules that are framed or may be framed there under and the orders of Officers and authorities of the University and the concerned Faculty from time to time.

4. Fees

The students pursuing Master Degree Programme of study shall have to pay fee as may be prescribed by the University from time to time.

5. The course of study, scheme of examination, result and promotion are covered in the regulation, and are given below.

REGULATIONS

1. Master Degree Programme has been divided in four semesters in two years, this is a full time course study. The odd semester would run between July to December and even semester between January to June. Two consecutive (one odd + one even) semester constitute one academic year.
2. There will be 24 papers /courses in all in the whole programme. Besides, there would also be one course on **Dissertation and Viva-Voce**.
3. The course has 4 components: Core courses, Elective course, Skill Development and Inter-disciplinary course.
4. Each Core course has equal weightage. Each core course will have 100 marks or 4 credits. Elective and Inter-disciplinary course will have 3 credits, where as Skill Developments course will have 2 credits.
5. The core courses are compulsory to all students in all four semesters. The fourth (Elective course) paper and fifth (Skill Development course) paper will be opted by the students of same Department. However, the sixth (Inter-disciplinary course / University elective course) paper of each semester will be opted by the students of other Departments only.
6. In the beginning of the Semester III, the Department would announce the available specialization group/ course in the Elective Group to the students for the current session. The choice of elective group/course in the semester will be limited to those announced by the Department. Because of infrastructural and Faculty limitations, the Department may put a cap on the number of students in an elective group/course.
7. Each semester shall have minimum 90 teaching days, exclusion of holidays, admission and examinations.

SCHEME OF EXAMINATION

1. The evaluation scheme of examination consists of two parts: Internal Assessment (IA), Mid Semester Exam (MSE) and End Semester Examination (ESE). Internal assessment includes Assignments, Presentations, Seminars, Quizzes, Case studies, Viva, Unit test, Group activities /Discussion, etc. The internal assessment will contribute 40% and the Semester and examination will contribute 60% to the total marks. This shall apply to both types of examination system i.e., Semester-wise and Choice based credit system (CBCS) based examination.

****Note:** The ratio of internal assessment and semester and examination will be the same as determined by the University.

2. There shall be continuous assessment of the student in each course. The course instructor shall hold a maximum of three and minimum of one internal test /assignment /presentation, etc. The distribution of marks in Internal assessment will be in two parts; 20% (Mid Sem. Exam) and 20% (Assignments/Presentations/Group Discussion etc.)
3. In case of semester examination, there shall be no binding on the number of external paper setters/examiners, though in case of CBCS//CBSS system, generally the course instructor shall be the paper setter and examiner. However, the Core courses comprising “**Dissertation and Viva-Voce** “ and “**Project Work and Viva-Voce**” respectively will be evaluated / examined by Board/s consisting of one external examiner and one internal examiner who shall be the Chairman of the Board. The Dissertation / Project Work and Viva-Voce shall equal weightage and would be judged separately. The remuneration for these courses would be at par with such courses been run in other Department of the University.
4. The duration of the End Semester Examination (ESE) of each course will be 3/2 Hours.

(द) इन्द्राडिस्प्लनरी (अन्तर्विषयी) पाठ्यक्रम

समाज की आवश्यकताओं और अपेक्षाओं को पूरा करने तथा शिक्षा की गुणवत्ता एवं स्तर को समुन्नत करने के लिए नेहरू ग्राम भारती मानित विश्वविद्यालय में ऐसे पाठ्यक्रम का निर्माण किया गया है जो अध्यापन की व्यावहारिक आवश्यकताओं को, अपने विषय के क्षेत्र में ज्ञान प्रदान करने हेतु उच्च स्तरों के अनुपालन की आवश्यकता के साथ जोड़ने का प्रयास है। विश्वस्तरीय ज्ञान के लक्ष्यों एवं मानदण्डों के साथ भारतीय विरासत के गौरव तथा भारतीय योगदान के संदर्भानुकूल संयोजन का उद्देश्य भी है। विश्वविद्यालय के इन्द्राडिस्प्लनरी पाठ्यक्रम का उद्देश्य दो वर्गों में विभाजित है (क) कौशल विकास (ख) वैयक्तिक विकास। इसके माध्यम से विद्यार्थी विभाग, संकाय एवं विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त ऐच्छिक विषयों में से किसी एक का चयन करेगा जिसका क्रेडिट मूल्य दो होगा। जिसमें 1.25 क्रेडिट लिखित परीक्षा तथा .75 क्रेडिट आंतरिक परीक्षा होगी। यह पाठ्यक्रम चारों सेमेस्टर में षष्ठ प्रश्न पत्र के रूप में रखा गया है। प्रथम सेमेस्टर में श्रीमद्भगवद्गीता, द्वितीय सेमेस्टर में संस्कृत वाङ्मय में प्रतिपादित सभ्यता एवं संस्कृति की रूपरेखा, तृतीय सेमेस्टर में भारतीय दर्शन का सर्वेक्षण तथा चतुर्थ सेमेस्टर में ज्योतिष विद्या का प्रश्न पत्र रखा गया है जिसके माध्यम से संस्कृत एवं संस्कृतेत्तर विषय के छात्रों को भारतीय आचार-विचार, सदाचार तथा स्वरोजगार प्राप्त करने में सरलता होगी और छात्रों का सर्वतोन्मुखी विकास होगा।

सेमेस्टर-प्रथम
प्रथम प्रश्न पत्र
वेद

इकाई-1	अग्नि (1/143) वरुण (1/25) उषस् (3.61) पर्जन्य (5.83) अक्ष (10.34) ज्ञान (10.71) नासदीय (10.129), सूर्य (1.125) वाक् (10.125) उपर्युक्त सूक्तों का हिन्दी अनुवाद
इकाई-2	पदपाठ एवं स्वरांकन, व्याकरणात्मक टिप्पणी
इकाई-3	देवता-परिचय
इकाई-4	(i) पुरुरवा-उर्वशी (ii) यम-यमी
इकाई-5	संवादसूक्तों का सामान्य अध्ययन (i) सरमा-पणि (ii) विश्वामित्र नदी
संदर्भ पुस्तक	ऋक्सूक्त संग्रह-डॉ० हरिदत्त शास्त्री

सेमेस्टर-प्रथम
द्वितीय प्रश्न पत्र

पालि, प्राकृत, अपभ्रंश तथा भाषा विज्ञान

इकाई-1	महामायाय सुपिनं, उप्पादो, जवसकुणजातकम्।
इकाई-2	धम्मपद, पटिच्चसमुप्पादो, स्वप्नवासवदत्तम् कर्पूरमंजरी, मृच्छकटिकम्, अपभ्रंश मुक्तक
इकाई-3	भाषा का वर्गीकरण (आकृतिमूलक एवं पारिवारिक वर्गीकरण) ध्वनियों का वर्गीकरण-स्पर्श, संघर्षी, अर्द्धस्वर, स्वर (विशेष संस्कृत ध्वनियों के संदर्भ में) मानवीय ध्वनि यंत्र, ध्वनि परिवर्तन के कारण एवं दिशा, ध्वनि नियम (ग्रिम, ग्रासमान एवं वर्नर)
इकाई-4	अर्थपरिवर्तन की दिशाएं एवं कारण, भारोपीय परिवार का सामान्य परिचय
इकाई-5	वैदिक एवं लौकिक संस्कृत में अंतर, भाषा तथा वाक् में अंतर, भाषा तथा बोली में अन्तर
संदर्भ पुस्तक	पालिपाइअवीमंसा-डॉ० हरिराम मिश्र भाषा विज्ञान-कर्ण सिंह

सेमेस्टर-प्रथम
तृतीय प्रश्न पत्र
दर्शन

इकाई-1	तर्कभाषा-प्रारम्भ से कारण लक्षण पर्यन्त ।
इकाई-2	प्रमाणलक्षण से प्रत्यक्ष प्रमाण तक
इकाई-3	अनुमान, उपमान एवं शब्द प्रमाण पर्यन्त
इकाई-4	वेदान्तसार-प्रारम्भ से सूक्ष्म शरीर पर्यन्त
इकाई-5	पंचीकरण प्रक्रिया से अन्त
संदर्भ पुस्तक	तर्कभाषा-डॉ० सुरेन्द्र नाथ शास्त्री वेदान्तसार-डॉ० सन्त नारायण श्रीवास्तव

सेमेस्टर-प्रथम
चतुर्थ प्रश्न पत्र
व्याकरण (लघु सिद्धान्त कौमुदी)

इकाई-1	अजन्त-राम सर्व (तीनों लिंगों में) विश्वपा हरि त्रि (तीनों लिंगों में) सखि, सुधी पितृ गौ भानु
इकाई-2	रमा मति नदी
इकाई-3	धेनु मातृ ज्ञान वारि मधु।
इकाई-4	भू धातु
इकाई-5	एध् धातु
संदर्भ पुस्तक	लघु सिद्धान्त कौमुदो- श्रीधरानन्द शास्त्री गोविन्दाचार्य

सेमेस्टर-प्रथम
पंचम प्रश्न पत्र
काव्यशास्त्र (काव्य प्रकाश)

इकाई-1	आचार्य मम्मट एवं काव्य प्रकाश का विस्तृत परिचय
इकाई-2	प्रथम एवं द्वितीय उल्लास
इकाई-3	तृतीय एवं चतुर्थ उल्लास
इकाई-4	नवम उल्लास
इकाई-5	दशम उल्लास
	परिकर अलंकार पर्यन्त
संदर्भ पुस्तक	काव्य प्रकाश- डॉ० श्री निवास शास्त्री आचार्य विश्वेश्वर

सेमेस्टर-प्रथम
षष्ठ प्रश्न पत्र (संस्कृतेतर छात्रों के लिए)
श्रीमद्भगवद्गीता

इकाई-1	कर्म योग
इकाई-2	ज्ञान योग
इकाई-3	भक्ति योग
इकाई-4 एवं 5	श्रीमद्भगवद्गीता का चरम प्रतिपाद्य एवं विस्तृत परिचय
संदर्भ पुस्तक	श्रीमद्भगवद्गीता-गीता प्रेस, जयदयाल गोयन्दका श्रीमद्भगवद्गीता-डॉ० आद्या प्रसाद मिश्र

सेमेस्टर-द्वितीय

प्रथम प्रश्न पत्र

निरुक्त एवं वैदिक साहित्य का इतिहास

इकाई-1

निरुक्त प्रथम अध्याय

(हिन्दी व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न)

इकाई-2

निरुक्त द्वितीय अध्याय

(हिन्दी व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न)

इकाई-3

वैदिक वाङ्मय का इतिहास

- वेदों का काल, पाश्चात्य एवं भारतीयपरम्परागत मत
- संहिता साहित्य
- वेदांग

इकाई-4

वैदिक वाङ्मय का इतिहास

- ब्राह्मण एवं आरण्यक

इकाई-5

वैदिक वाङ्मय का इतिहास

उपनिषद्-केन, तैत्तिरीय, बृहदारण्यक, श्वेताश्वतर

संदर्भ पुस्तक

निरुक्त

— आचार्य विश्वेश्वर

वैदिक साहित्य का इतिहास

— डॉ० बलदेव उपाध्याय

सेमेस्टर–द्वितीय
द्वितीय प्रश्न पत्र
तर्कभाषा

- इकाई–1 अनुमान से प्रामाण्यवाद पर्यन्त
इकाई–2 सांख्यतत्त्वकौमुदी
प्रथम कारिका से दसवीं कारिका पर्यन्त
इकाई–3 11वीं से 15वीं कारिका पर्यन्त
इकाई–4 16 से 20वीं कारिका पर्यन्त
इकाई–5 21वीं कारिका से अन्त तक

संदर्भ पुस्तक

तर्कभाषा–डॉ० सुरेन्द्र नाथ शास्त्री
वेदान्तसार–डॉ० सन्त नारायण श्रीवास्तव
सांख्यतत्त्व कौमुदो–डॉ० आद्याप्रसाद मिश्र

सेमेस्टर–द्वितीय
तृतीय प्रश्न पत्र
मौखिक परीक्षा

सेमेस्टर—द्वितीय
चतुर्थ प्रश्न पत्र
संस्कृत व्याकरण

इकाई—1	कृत्य प्रक्रिया
इकाई—2	पूर्व कृदन्त
इकाई—3	उत्तरकृदन्त।
इकाई—4	तद्धितः—शैषिक प्रकरण पर्यन्त
इकाई—5	मत्वर्थीय
संदर्भ पुस्तक	1. लघुसिद्धान्त कौमुदी—डॉ० श्रीधरानन्द शास्त्री, डॉ० महेश सिंह कुशवाहा

सेमेस्टर—द्वितीय
पंचम प्रश्न पत्र
काव्यशास्त्र एवं प्रकरण (ध्वन्यालोकः)

इकाई—1	प्रथम उद्योत कारिका 13 तक
इकाई—2	प्रथम उद्योत कारिका 14 से समाप्ति पर्यन्त
इकाई—3	मृच्छकटिक अंक 1 से 4 तक
इकाई—4	मृच्छकटिक अंक 5 से 6 तक
इकाई—5	मृच्छकटिक अंक 6 से 10 तक
संदर्भ पुस्तक	1. ध्वन्यालोक—आचार्य विश्वेश्वर 2. मृच्छकटिकम्—डॉ० जयशंकर लाल त्रिपाठी

सेमेस्टर—द्वितीय

षष्ठ प्रश्न पत्र (संस्कृतेतर छात्रों के लिए)

संस्कृत वाङ्मय में प्रतिपादित सभ्यता एवं संस्कृति की रूपरेखा

- इकाई—1 संस्कृति एवं सभ्यता की परिभाषा एवं स्वरूप तथा वैदिक एवं उत्तरवैदिककालीन सभ्यता एवं संस्कृति, भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता की विशेषताएं।
- इकाई—2 रामायणकालीन, महाभारतकालीन, महाकाव्यकालीन एवं पुराणकालीन सभ्यता एवं संस्कृति
- इकाई—3 वर्णाश्रम—व्यवस्था, पुरुषार्थ—चतुष्टय, संस्कार, विवाह, प्राचीन भारतीय शिक्षा प्रणाली, प्राचीन भारत में नारी एवं दलितों की स्थिति
- इकाई—4 बौद्ध, जैन, वैष्णव
- इकाई—5 शैव एवं शाक्त धर्मों का उद्भव एवं विकास
- संदर्भ पुस्तक
1. प्राचीन भारतीय संस्कृति—डॉ० वी०के० सिंह
 2. भारतीय दर्शन—डॉ० संगम लाल पाण्डेय
डॉ० सी०डी० पाण्डेय
डॉ० अरिवन्द शुक्ल

सेमेस्टर-तृतीय (वर्ग-अ)

प्रथम प्रश्न पत्र

Core Course (Group-B) साहित्य वर्ग के छात्रों के लिये

Title of Course-काव्यशास्त्र

इकाई-1	काव्य प्रकाश का पंचम उल्लास
इकाई-2	काव्य प्रकाश का षष्ठ उल्लास
इकाई-3	काव्य प्रकाश का सप्तम
इकाई-4	अष्टम उल्लास
इकाई-5	काव्य मीमांसा प्रथम परिच्छेद
संदर्भ पुस्तक	काव्य प्रकाश- आचार्य विश्वेश्वर काव्य प्रकाश-डॉ० पारस नाथ द्विवेदी

सेमेस्टर-तृतीय

द्वितीय प्रश्न पत्र

Core Course (Group-B-Literature)

Title of Course-दशरूपक

इकाई-1	दशरूपक प्रथम प्रकाश
इकाई-2	दशरूपक द्वितीय प्रकाश
इकाई-3	दशरूपक तृतीय प्रकाश
इकाई-4	दशरूपक चतुर्थ प्रकाश
इकाई-5	दशरूपक के प्रतिपाद्य
संदर्भ पुस्तक	1. दशरूपक- वैजनाथ पाण्डेय 2. दशरूपक- मोती लाल बनारसी दास

सेमेस्टर-तृतीय

तृतीय प्रश्न पत्र

Core Course (Group-B-Literature)

Title of Course-महाकाव्य

इकाई-1	नैषधीयचरितम् प्रथम सर्ग 1 से 25 श्लोक तक (हिन्दी अनुवाद, संस्कृत व्याख्या)
इकाई-2	नैषधीयचरितम् प्रथम सर्ग 26-50 श्लोक तक (हिन्दी अनुवाद)
इकाई-3	नैषधीयचरितम् प्रथम सर्ग 51 सर्गान्त तक (हिन्दी अनुवाद)
इकाई-4	शिशुपालवधम् प्रथम सर्ग, आलोचनात्मक प्रश्न
इकाई-5	शिशुपालवधम् प्रथम सर्ग (हिन्दी अनुवाद एवं संस्कृत व्याख्या)
संदर्भ पुस्तक	1. शिशुपालवधम्-डॉ० तारणीश झा 2. नैषधीयचरितम्-डॉ० देवर्षि सनाट्य शास्त्री

सेमेस्टर-तृतीय

प्रथम प्रश्न पत्र

Core Course (Group-C-Philosophy) दर्शन वर्ग के छात्रों के लिये

Title of Course-न्याय दर्शन

इकाई-1	न्याय सूत्र वात्स्यायन भाष्य सहित-प्रथम अध्याय प्रथमाहिनक सूत्र 1 से 9 तक
इकाई-2	प्रथमाहिनक सूत्र 10 से 20 तक
इकाई-3	प्रथमाहिनक सूत्र 21 से 30 तक
इकाई-4	प्रथमाहिनक सूत्र 31-41 तक
इकाई-5	आह्निक-2 पादान्तपर्यन्त
संदर्भ पुस्तक	न्याय भाष्य-द्वारिका प्रसाद षडशास्त्री, दुण्डिराज शास्त्री न्याय भाष्य-दुण्डिराज शास्त्री

सेमेस्टर—तृतीय
द्वितीय प्रश्न पत्र
Core Course (Group-C-Philosophy)
Title of Course-योग दर्शन

इकाई—1	योग सूत्र—व्यास भाष्य सहित समाधिपाद सूत्र 1 से 29 तक
इकाई—2	समाधिपाद सूत्र 30 से 40 तक
इकाई—3	समाधिपाद सूत्र 41 से 51 तक
इकाई—4 एवं 5	साधनपाद सूत्र 01 से 05 तक
संदर्भ पुस्तक	1. योगसूत्र भाष्य—प्रो० सुरेश चन्द्र श्रीवास्तव

सेमेस्टर—तृतीय
तृतीय प्रश्न पत्र
Core Course (Group-C-Philosophy)
Title of Course-शांकर दर्शन

इकाई—1	ब्रह्म सूत्र—शांकर भाष्य अध्यासभाष्य एवं सूत्र संख्या 1.1.1 एवं 1.1.2 तक
इकाई—2	अध्यासभाष्य एवं सूत्र संख्या 1.1.3 एवं 1.1.4 तक
इकाई—3	अध्यासभाष्य एवं सूत्र संख्या 1.1.5 एवं 1.1.11 तक
इकाई—4 एवं 5	पंचदशी प्रकरण 1 एवं 2, 3, 4, 5
संदर्भ पुस्तक	1. ब्रह्मसूत्र—भोले बाबा, सत्यानन्द सरस्वती 2. पञ्चदशी—चौखम्भा प्रकाशन वाराणसी।

सेमेस्टर-तृतीय

प्रथम प्रश्न पत्र

Core Course (Group-B-Veda) वेद वर्ग के छात्रों के लिये

Title of Course-ऋग्वेद द्वितीय मण्डल-के चयनित सूक्त

इकाई-1	सूक्त संख्या 1, 2, 3, 4, 5
इकाई-2	सूक्त संख्या 6, 7, 8, 9, 10, 11
इकाई-3	सूक्त संख्या 12, 23, 33, 35, 38
इकाई-4 एवं 5	वैदिक स्वरांकन एवं पदपाठ एवं व्याकरणात्मक टिप्पणी
संदर्भ पुस्तक	1. ऋग्वेद-सातवलेकर 2. ऋग्वेद-सायणभाष्य

सेमेस्टर-तृतीय

द्वितीय प्रश्न पत्र

Core Course (Group-B-Veda)

Title of Course-1. शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन संहिता) 2. वाजसनेयी, प्रातिशाख्य (अध्याय 1 से 3 तक)

इकाई-1	शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन संहिता) शुक्ल यजुर्वेद संहिता-प्रथम अध्याय
इकाई-2	शुक्ल यजुर्वेद संहिता -द्वितीय अध्याय वाजसनेयी प्रातिशाख्य (अध्याय 1 से 3 तक)
इकाई-3	वाजसनेयी प्रातिशाख्य-प्रथम अध्याय
इकाई-4 एवं 5	वाजसनेयी प्रातिशाख्य-द्वितीय अध्याय एवं तृतीय अध्याय
संदर्भ पुस्तक	1. शुक्लयजुर्वेद (मा0सं0)-हरिशंकर त्रिपाठी 2. वाजसनेयी प्रातिशाख्य-वीरेन्द्र वर्मा

सेमेस्टर-तृतीय
तृतीय प्रश्न पत्र
Core Course (Group-B-Veda)
Title of Course-प्रातिशाख्य

इकाई-1	ऋग्वेद प्रातिशाख्य प्रथम पटल
इकाई-2	ऋग्वेद प्रातिशाख्य द्वितीय पटल
इकाई-3	ऋग्वेद प्रातिशाख्य तृतीय पटल
इकाई-4 एवं 5	ऋग्वेद प्रातिशाख्य षष्ठ पटल
संदर्भ पुस्तक	1. ऋग्वेद प्रातिशाख्य-डॉ० वीरेन्द्र वर्मा

सेमेस्टर-तृतीय
चतुर्थ प्रश्न पत्र

Elective Course-अनुवाद एवं मीमांसा शास्त्र (सभी छात्रों के लिये अनिवार्य प्रश्न पत्र)

इकाई-1	अनुवाद हिन्दी से संस्कृत कारकाश्रित अनुवाद
इकाई-2	निबन्धात्मक अनुवाद
इकाई-3	अर्थसंग्रह भावना निरूपण
इकाई-4 एवं 5	विधि निरूपण मंत्र, निषेध, अर्थवाद, नामधेय, निरूपण
संदर्भ पुस्तक	1. अर्थ संग्रह-सत्य प्रकाश शर्मा

सेमेस्टर-तृतीय

पंचम प्रश्न पत्र

Title of Course-शिलालेख, भारतीय संस्कृति तथा दर्शन (सभी छात्रों के लिये अनिवार्य प्रश्न पत्र)

- इकाई-1** शिलालेख: निम्नलिखित शिलालेखों पर आधारित प्रश्न
1. समुद्रगुप्त का प्रयाग प्रशस्ति लेख 2. नृपचन्द्र का मेहरौली स्तम्भ लेख 3. कुमार गुप्त का मन्दसौर अभिलेख 4. स्कन्दगुप्त का जूनागढ़ अभिलेख 5. पुलकेशिन द्वितीय का ऐहोल प्रशस्ति।
- इकाई-2** प्राचीन भारतीय संस्कृति-शिक्षा, कला, राज्य का स्वरूप, स्त्रियों की दशा, धार्मिक आन्दोलन
- इकाई-3** भारतीय दर्शन की विशेषताएं, उपनिषदों में दार्शनिक प्रवृत्तियाँ।
- इकाई-4 एवं 5** जैन तथा बौद्ध दर्शन का सामान्य परिचय, प्रमुख सम्प्रदाय तथा उनके सिद्धान्त।
- संदर्भ पुस्तक**
1. प्राचीन भारत के प्रमुख शिलालेख-(भाग 1, 2) परमेश्वरी लाल गुप्त
 2. भारतीय दर्शन-डॉ० अरवन्दि शुक्ल
 3. भारतीय दर्शन-पारस नाथ द्विवेदी
 4. भारतीय दर्शन-चन्द्रधर शर्मा

सेमेस्टर-तृतीय

षष्ठ प्रश्न पत्र (संस्कृतेतर छात्रों के लिए)

Title of Course-भारतीय दर्शन का सर्वेक्षण

- इकाई-1** चार्वाकमत एवं जैनमत
- इकाई-2** बौद्धमत एवं शैवमत
- इकाई 1 और 2 में भारतीय दर्शन के विचारणीय पक्षों का आलोचनात्मक अध्ययन-आत्म एवं परमात्मा (ईश्वर) कार्य कारण सिद्धान्त मोक्ष कर्म एवं पुनर्जन्म प्रमाण्यवाद आदि।
- इकाई-3** साङ्ख्य, योग, न्याय, वैशेषिक, मीमांसा, वेदान्त का ऐतिहासिक सर्वेक्षण।
- इकाई-4 एवं 5** जैमिनि, बादरायण, कपिल, पतंजलि, गौतम, कणाद, शंकर और वाचस्पति मिश्र आदि आचार्यों का परिचय एवं उनके अवदान।
- संदर्भ पुस्तक**
1. भारतीय दर्शन-उपाध्याय, बलदेव, भारतीय दर्शन, शारदा मंदिर, वाराणसी, 2001
 2. भारतीय दर्शन-द्विवेदी, पारसनाथ-भारतीय दर्शन, आगरा, 1974

सेमेस्टर-4
वर्ग-(A) (साहित्य वर्ग के छात्रों के लिये)
प्रथम प्रश्न पत्र

- इकाई-1 शिवराजविजयम् प्रथम निःश्वास-पूर्वार्द्ध
इकाई-2 शिवराजविजयम् प्रथम निःश्वास-उत्तरार्द्ध
इकाई-3 वृत्तरत्नाकार
इकाई-4 पद्यरचना
इकाई-5 हिन्दी से संस्कृत अनुवाद

संदर्भ पुस्तक

1. शिवराज विजयम्-डॉ० राजदेव मिश्र अथवा शिवबालक द्विवेदी
2. वृत्तरत्नाकर-श्रीधरानन्द शास्त्री

सेमेस्टर-4
वर्ग-साहित्य (A)
द्वितीय प्रश्न पत्र

रसगंगाधर एवं वेणीसंहार

- इकाई-1 रसगंगाधर प्रारम्भ से ध्वनि भेद तक
इकाई-2 रसगंगाधर में रस प्रकरण से समाप्ति पर्यन्त
इकाई-3 एवं 4 वेणीसंहार अंक 1, 2 एवं 3
इकाई-5 वेणीसंहार अंक 4 से समाप्ति पर्यन्त

संदर्भ पुस्तक

1. रस गंगाधर-पं० मदन मोहन झा

सेमेस्टर-4
तृतीय-प्रश्न पत्र
मौखिकी परीक्षा

सेमेस्टर-4
वर्ग-साहित्य (A)
प्रश्न पत्र-चतुर्थ

नलचम्पू एवं शुकनासोपदेश

इकाई-1 नलचम्पू	श्लोक संख्या 15 तक
इकाई-2 नलचम्पू	श्लोक संख्या 16 से 35 तक
इकाई-3 नलचम्पू	श्लोक संख्या 36 से 50 तक
इकाई-4 नलचम्पू	51 से 64 श्लोक पर्यन्त
इकाई-5	शुकनासोपदेश

संदर्भ पुस्तक

1. नल चम्पू-डॉ० निरंजन मिश्र
2. शुकनासोपदेश-डॉ० तारणीश झा०

चतुर्थ सेमेस्टर
वर्ग-(B) (दर्शन वर्ग के छात्रों के लिये)
प्रथम प्रश्न पत्र

न्यायसिद्धान्तमुक्तावली-प्रत्यक्ष खण्ड

इकाई-1	पदार्थ निरूपण
इकाई-2	कारण एवं अन्यथा सिद्ध

इकाई-3 प्रत्यक्ष प्रमाण लौकिक सन्निकर्ष

इकाई-4 एवं 5 प्रत्यक्ष प्रमाण अलौकिक सन्निकर्ष, सामान्य विशेष, समवाय

संदर्भ पुस्तक

1. न्याय सिद्धान्त मुक्तावली-डॉ० गायत्री शुक्ला

सेमेस्टर-4
वर्ग-(B) दर्शन
द्वितीय प्रश्न पत्र

योगसूत्र-व्यास भाष्य सहित

- इकाई-1 साधनपाद सूत्र संख्या 12 से 28 तक
इकाई-2 साधन पाद सूत्र संख्या 29 से 55 तक विभूतिपाद 1-04 तक
माण्डूक्योपनिषद, माण्डूक्यकारिकोपेत
इकाई-3 उपनिषद भाग एवं कारिका भाग अध्याय 1
इकाई-4 कारिका भाग अध्याय 2, 3
इकाई-5 कारिका भाग अध्याय 4
संदर्भ पुस्तक

पातंजलि योगसूत्र-डॉ० बी०पी० काम्बलेकर/प्रो० सुरेश चन्द्र श्रीवास्तव
पातंजलि योगसूत्र-डॉ० मृदुल कीर्ति
पातंजलि योगसूत्र-डॉ० महाप्रभुलाल गोस्वामी
माण्डूक्योपनिषद - गीताप्रेस
माण्डूक्योपनिषद - प्रो० कौशल किशोर श्रीवास्तव

सेमेस्टर-4
तृतीय प्रश्न पत्र
मौखिकी परीक्षा

सेमेस्टर-4
वर्ग-दर्शन (B)
प्रश्न पत्र-चतुर्थ

ब्रह्मसूत्रशांकरभाष्य

इकाई-1	आनन्दमयाधिकरण	15	
इकाई-2	द्वितीय अध्याय प्रथम पाद	15	
	1. स्मृत्यधिकरण	2. विलक्षणत्वाधिकरण	
	3. नप्रयोजनत्वाधिकरण		
इकाई-3 एवं 4	1. वैषम्यनैर्घृण्याधिकरण	2. अभावाधिकरण	15
	3. एकस्मिन्नसंभवाधिकरण	4. पत्यधिकरण	
	5. उत्पत्त्यसंभवाधिकरण		
इकाई-5	चतुर्थ अध्याय का चतुर्थ पाद सम्पूर्ण	15	
संदर्भ पुस्तक			
	1. आचार्य शंकरकृत ब्रह्मसूत्र-भोले बाबा		
	2. ब्रह्मसूत्र-आचार्य उदय वीर शास्त्री/सत्यानन्द सरस्वती		

चतुर्थ सेमेस्टर
वर्ग—(C) वेद वर्ग के छात्रों के लिये
प्रथम प्रश्न पत्र

- इकाई—1 धातु स्वर (स्वर प्रकरण)
- इकाई—2 तिङन्त स्वर
- इकाई—3 समासस्वर
- इकाई—4 एवं 5 लेट् लकार, लुङलकार, लिट् लकार, से सम्बन्धित नियमों का अध्ययन
- संदर्भ पुस्तक
1. सिद्धान्त कौमुदी—स्वर वैदिकी

चतुर्थ सेमेस्टर
वर्ग—वेद (C)
द्वितीय प्रश्न पत्र

शतपथ ब्राह्मण (प्रथम काण्ड)

- इकाई—1 शतपथ ब्राह्मण—व्रतोपायनम्, अपां प्रणयनम् पात्रासादनम्, हविर्निर्वापः
अवघातः
- इकाई—2 शतपथ ब्राह्मण—उत्पवनम्, पेषणम्, कपालो—पधानम्, आज्यनिर्वापः, संयवनम्
- इकाई—3 शतपथ ब्राह्मण में प्रतिपादित कथाएं
- इकाई—4 एवं 5 शतपथ ब्राह्मण में प्रतिपादित यज्ञ प्रक्रिया एवं इष्टियां
- संदर्भ पुस्तक
1. शतपथ ब्राह्मण—सायण भाष्य

चतुर्थ सेमेस्टर
प्रश्न पत्र—तृतीय
मौखिकी परीक्षा
सभी छात्रों के लिए अनिवार्य

चतुर्थ सेमेस्टर
वर्ग—वेद (C)
प्रश्न पत्र—चतुर्थ

- इकाई—1 बहिस्तुन् शिलालेख प्रथम प्रकोष्ठ
इकाई—2 अवेस्ता हओमयस्त 1 से 16 पर्यन्त
इकाई—3 अवेस्ता हओमयस्त 17 से 32 पर्यन्त
इकाई—4 एवं 5 निरुक्त सप्तम अध्याय

संदर्भ पुस्तक

1. अवेस्ता—डॉ० शारदा चतुर्वेदी
2. निरुक्त—आचार्य विश्वेश्वर

**चतुर्थ सेमेस्टर
सभी छात्रों के लिए अनिवार्य
पंचम प्रश्न पत्र**

(भारतीय शास्त्र एवं शास्त्रकार)

- इकाई-1 व्याकरण शास्त्र का परिचय
(क) आचार्य पाणिनि (ख) आचार्य पंतजलि (ग) आचार्य कात्यायन
- इकाई-2 काव्यशास्त्र एवं आयुर्वेदशास्त्र का परिचय
(क) आचार्य भरत (ख) आचार्य अभिनवगुप्त
(ग) आचार्य चरक (घ) आचार्य सुश्रुत
- इकाई-3 एवं 4 ज्योतिषशास्त्र का परिचय
(क) आचार्य वाराह मिहिर (ख) आचार्य आर्य भट्ट
(ग) आचार्य विष्णु गुप्त (घ) आचार्य भास्कर
- इकाई-5 अर्थशास्त्र एवं संगीतशास्त्र का परिचय
(क) आचार्य कौटिल्य (ख) आचार्य शारंगदेव

संदर्भ पुस्तक

1. भारतीय शास्त्र एवं शास्त्रकार-डॉ० गिरिजा शंकर शास्त्री

**चतुर्थ सेमेस्टर
षष्ठ पत्र (संस्कृतेतर छात्रों के लिए)
(ज्योतिष विद्या)**

- इकाई-1 पंचांग सम्बन्धी आवश्यक ज्ञान
दिनमान, विधि, वार, नक्षत्र, योग, करण आदि
- इकाई-2 जन्मकुण्डली रचना
- इकाई-3 राशि का ज्ञान
- इकाई-4 ज्योतिष में मुहूर्त विचार
- इकाई-5 गृहस्थ के नित्य कर्म का फल कथन, स्नान विधि संध्या विधि तथा पंचमहायज्ञ

संदर्भ पुस्तक

1. मुहूर्त चिन्तामणि
2. ज्योतिष प्रवेश-भृगुनाथ मिश्र
3. नित्य कर्म पूजा प्रकाश-गीता प्रेस, गोरखपुर